



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 408]

नई दिल्ली, मंगलवार, नितम्बर 14, 1982/भाद्र 23, 1904

No. 408]

NEW DELHI, TUESDAY, SEPT. 14, 1982/BHADRA 23, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ सख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

उद्योग मंत्रालय  
(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली 14 नितम्बर, 1982

का. आ. 665 (अ) / 18-चक / 18-कक आई. आर. डी.  
आर. ए. / 82 —केंद्रीय सरकार ने, भारत सरकार के उद्योग  
मंत्रालय, औद्योगिक विकास विभाग के आदेश सं. का. आ.  
613(अ)/18-चक/18-कक/आई. डी. आर. ए. / 80 दिनांक 15  
नितम्बर, 1976 द्वारा इण्डस्ट्रियल रिकग्नाइजेशन कारपोरेशन आफ  
इण्डिया लिमिटेड, कलकत्ता (जिसे इसमें इसके पश्चात् प्राधि-  
कृत व्यक्ति कहा गया है), मैन्स बंगाल पाटरीज लिमिटेड, कल-  
कत्ता के स्वामित्व वाले 45, टयरा रोड, कलकत्ता और 3, पग-  
लाडग रोड, कलकत्ता स्थित औद्योगिक उपक्रमों के सम्पूर्ण प्रबन्ध  
को 15 नितम्बर, 1976 से पांच साल की अवधि के लिए ग्रहण  
करने के लिए प्राधिकृत किया था,

और केंद्रीय सरकार ने भारत सरकार का उद्योग मंत्रालय  
(औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का. आ. 657(इ)/  
(ड)/18-चक/18-कक/आई. डी. आर. ए. / 81, तारीख 14

नितम्बर, 1981 द्वारा प्राधिकृत व्यक्ति को उक्त औद्योगिक उप-  
क्रमों का एक वर्ष की अतिरिक्त अवधि के लिए प्रबन्ध करने  
रहने के लिए प्राधिकृत किया था,

और केंद्रीय सरकार ने, यह राय होने पर कि सर्व साधारण  
के हित में यह समीचीन था कि प्राधिकृत व्यक्ति उक्त औद्यो-  
गिक उपक्रमों का प्रबन्ध करना जारी रखे, उद्योग (विकास और  
विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-चक  
की उप-धारा (2) के परन्तुक के अधीन एक आवेदन कलकत्ता उच्च  
न्यायालय को किया था जिसमें यह प्रार्थना की गई थी कि ऐसा  
प्रबन्ध 6 मास की और अवधि के लिए जारी रखा जाए। और  
उक्त उच्च न्यायालय ने अपने, तारीख 14 नितम्बर, 1982 के  
आदेशानुसार प्राधिकृत व्यक्ति को उक्त दो औद्योगिक उपक्रमों  
का प्रबन्ध 6 मास की और अवधि तक जारी रखने के लिए अनु-  
ज्ञान कर दिया था,

अतः, केंद्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 18-कक के  
साथ पठित धारा 18-कक की उप-धारा (2) के परन्तुक द्वारा  
प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, प्राधिकृत व्यक्ति को निर्देश  
देती है, कि वह 15 नितम्बर, 1982 से आरम्भ होने वाली 6

मास की और अधिक के लिए उक्त औद्योगिक उपकरणों का प्रबंध करना जारी रखे।

[फा. सं. 2/19/75-सी. ड. ए. ]  
आर के भार्गव, सहायक सचिव

**MINISTRY OF INDUSTRY**  
(Department of Industrial Development)

**ORDER**

New Delhi, the 14th September, 1982

**S.O. 665(E)/18FA/18AA/IDRA/82.**—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 613(E)/18FA/18AA/IDRA/76, dated the 15th September, 1976, the Central Government had authorised the Industrial Reconstruction Corporation of India Limited, Calcutta (hereinafter referred to as the authorised person), to take over the management of the whole of the two industrial undertakings at 45, Tangra Road, Calcutta and at 3, Pagladanga Road, Calcutta owned by Messrs Bengal potteries Limited, Calcutta, for a period of five years from the 15 September, 1976;

And whereas by the Order of Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 697(E)/18FA/18AA/IDRA/81 dated the 14th September, 1981, the Central Government authorised the authorised person to continue to manage the said two industrial undertakings for a further period of one year;

And whereas the Central Government, being of opinion that it was expedient in the interests of the general public that the authorised person should continue to manage the said industrial undertakings, made an application under the proviso to sub-section (2) of section 18FA of the Industries (Development and Regulations) Act, 1951 (65 of 1951), to the Calcutta High Court praying for the continuance of such management for a further period of six months;

And whereas the said Court by its Order dated the 14th September, 1982, permitted the authorised person to continue to manage the said two industrial undertakings for a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (2) of section 18FA read with section 18AA of the said Act, the Central Government hereby directs the authorised person to continue to manage the said two industrial undertakings for a further period of six months commencing from the 15th September, 1982.

[File No. 2/19/75-Cons.]

R. K. BHARGAVA, Jt. Secy.